an>

Title: Need to take steps to eradicate encephalities in the country.

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** धन्यवाद अध्यक्ष महोदया।

महोदया, आज हिन्दुस्तान के बहुत से राज्यों में इंसेफेलाइटिस और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम गंभीर बीमारी बन चुकी है। अकेले एक महीने में गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज में 407 बच्चों की मौत हो चुकी है, जो देश के भविष्य के नागरिक होते, देश के लिए उनका बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता। कल वहां दस मरीज एडमिट हुए।...(व्यवधान) प्रति दिन सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, बलरामपुर और अब इंसेफेलाइटिस केवल उत्तर प्रदेश में नहीं है, बिहार, बंगाल, ओडिशा और कर्नाटक सहित देश के तमाम राज्यों में फैल गया है।...(व्यवधान) पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्री जी ने कहा था कि इसके वायरस के लिए हम कुछ ट्रीटमेंट की व्यवस्था करेंगे, ...(व्यवधान) लेकिन अभी तक इसका कोई इलाज नहीं है और अब जो एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम आ गया है, उसका दुनिया में कोई इलाज नहीं है।...(व्यवधान) यह गंभीर मामला है।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम और जेईएस के लिए कुछ रिसर्च करके उपचार की व्यवस्था करें।...(व्यवधान) अभी केवल प्रिवेंटिव टीकाकरण है।...(व्यवधान) बच्चों की जिन्दगी बचाई जा सके, जो देश के भविष्य हैं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष:**

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री केशव प्रसाद मौर्य,

श्री पी.पी.चौधरी,

श्री विनोद कुमार सोनकर एवं

श्री शरद त्रिपाठी को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।